हाथी [redacted]

की बच्ची

एन, चित्र : फ्रेड,

हिंदी : विदूषक

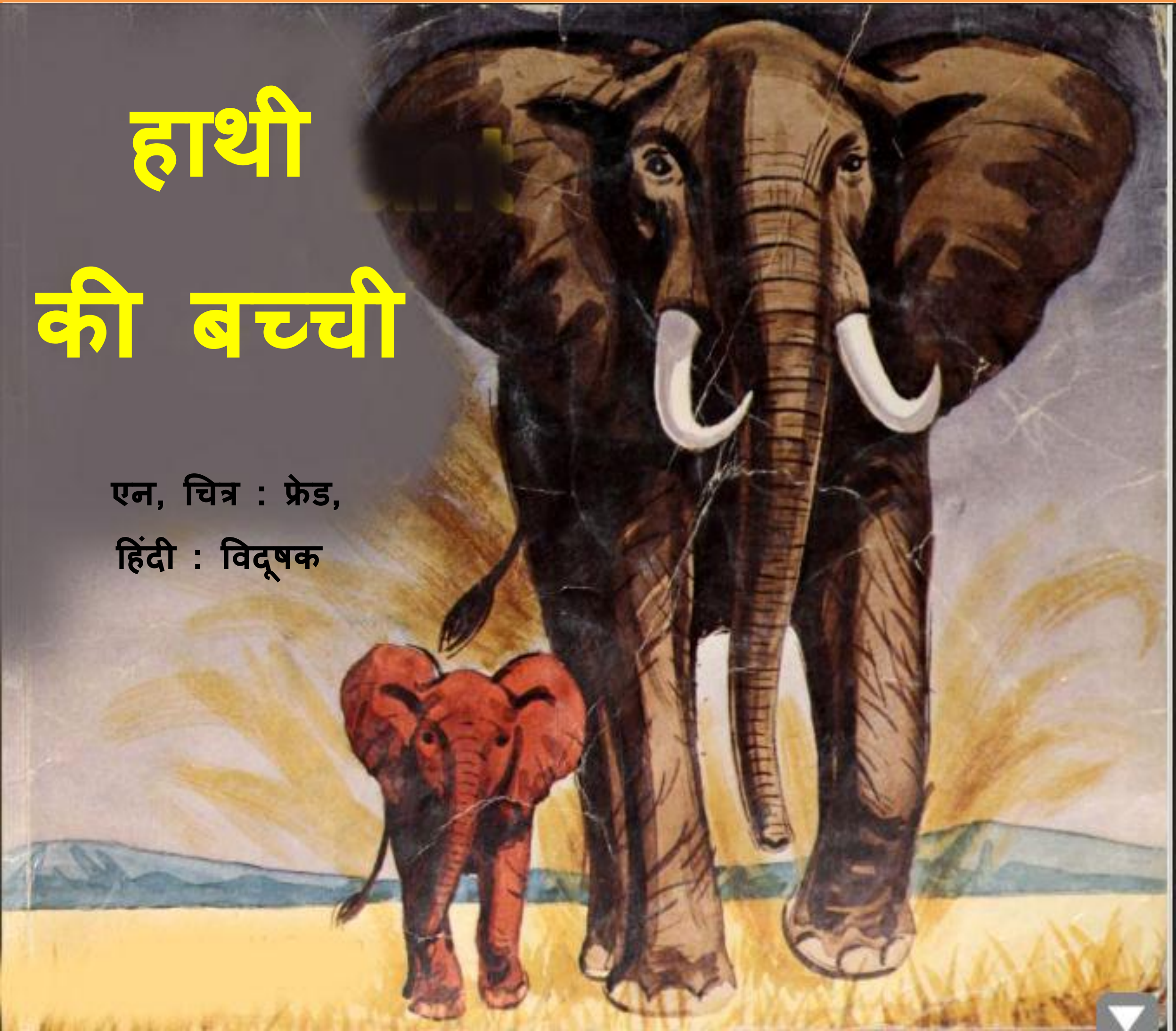

हाथी की बच्ची

एन, चित्र : फ्रेड, हिंदी : विदूषक

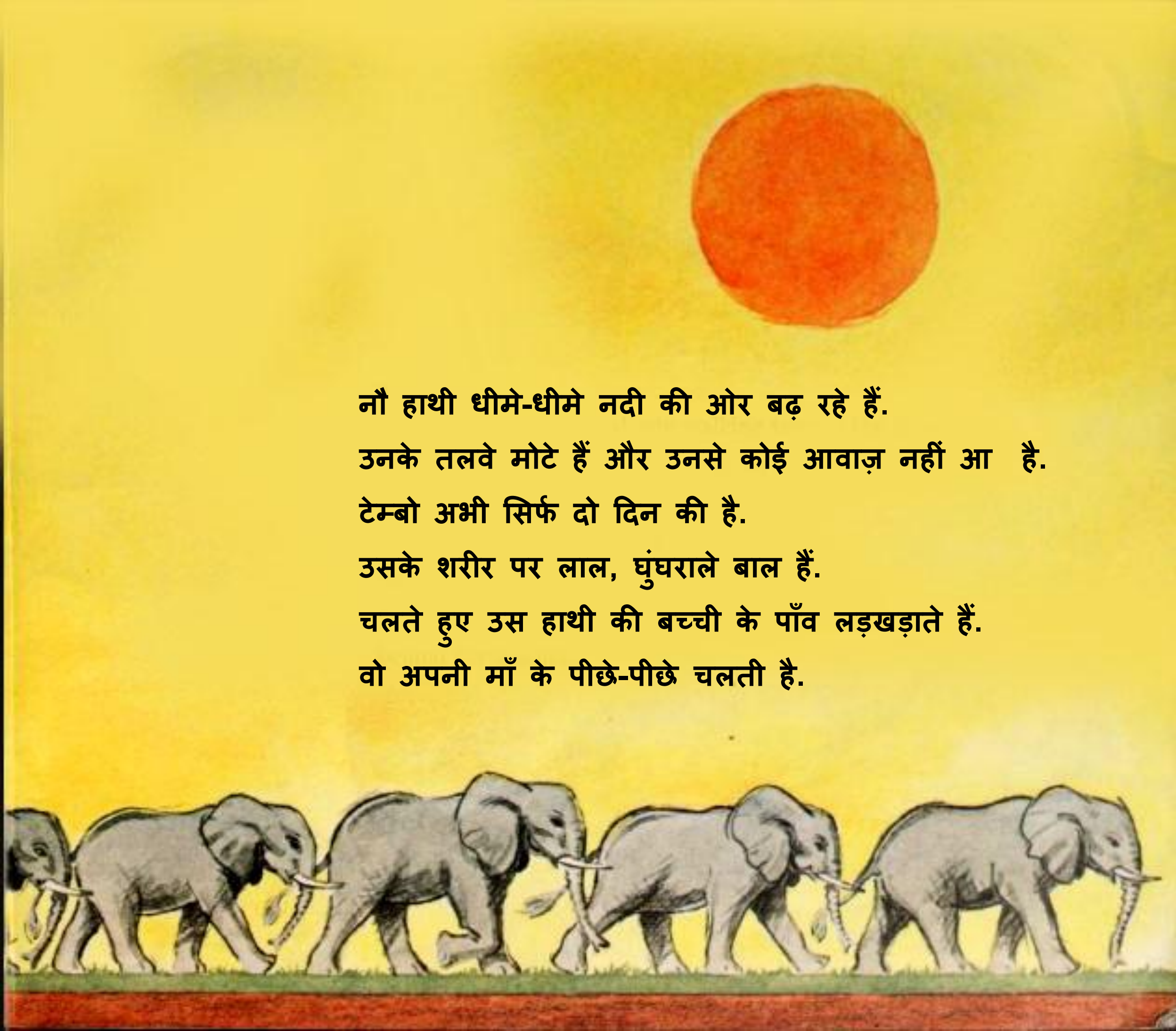

नौ हाथी धीमे-धीमे नदी की ओर बढ़ रहे हैं.

उनके तलवे मोटे हैं और उनसे कोई आवाज़ नहीं आ   है.

टेम्बो अभी सिर्फ दो दिन की है.

उसके शरीर पर लाल, घुंघराले बाल हैं.

चलते हुए उस हाथी की बच्ची के पाँव लड़खड़ाते हैं.

वो अपनी माँ के पीछे-पीछे चलती है.

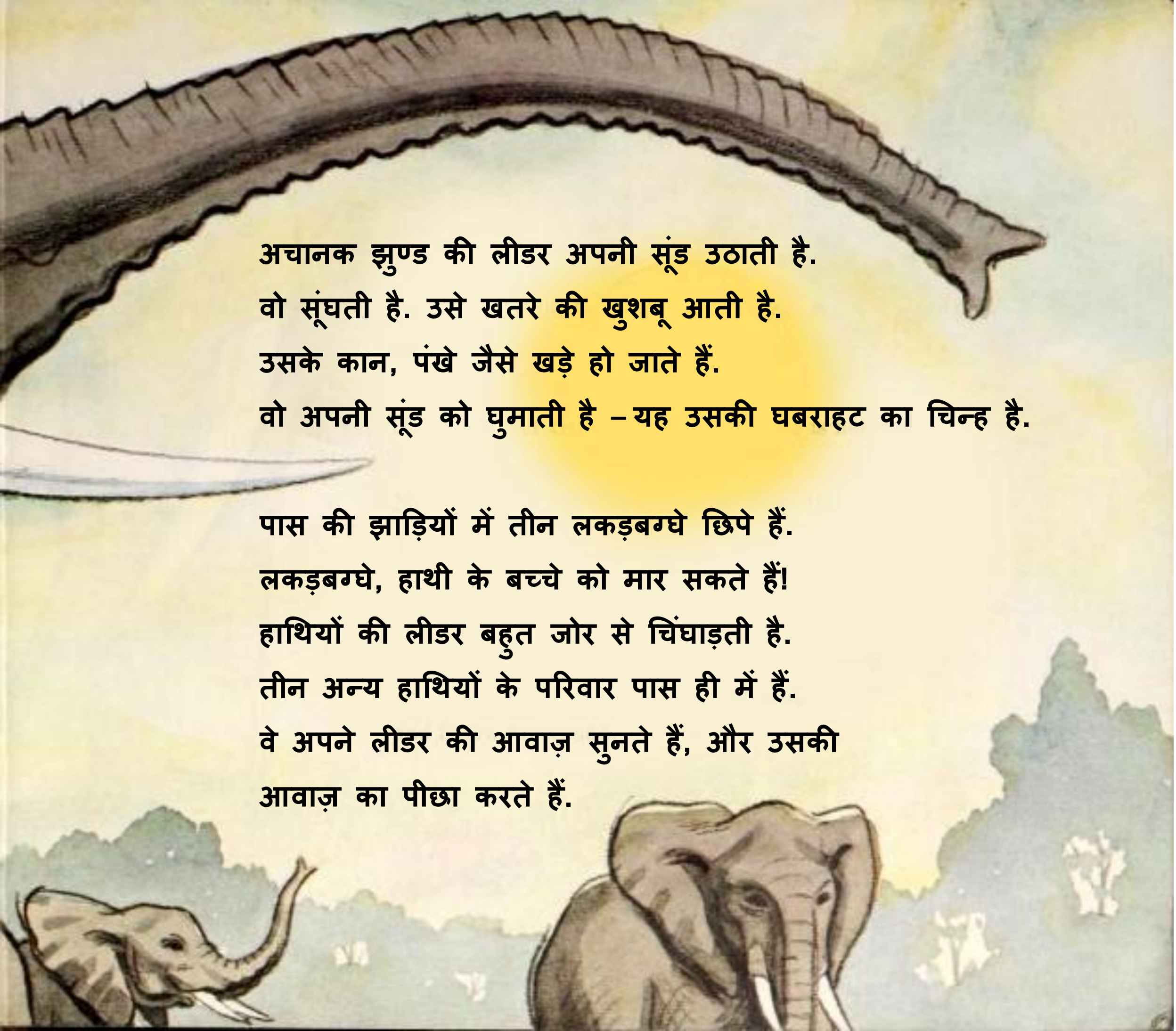

अचानक झुण्ड की लीडर अपनी सूंड उठाती है.
वो सूंघती है. उसे खतरे की खुशबू आती है.
उसके कान, पंखे जैसे खड़े हो जाते हैं.
वो अपनी सूंड को घुमाती है – यह उसकी घबराहट का चिन्ह है.

पास की झाड़ियों में तीन लकड़बग्घे छिपे हैं.
लकड़बग्घे, हाथी के बच्चे को मार सकते हैं!
हाथियों की लीडर बहुत जोर से चिंघाड़ती है.
तीन अन्य हाथियों के परिवार पास ही में हैं.
वे अपने लीडर की आवाज़ सुनते हैं, और उसकी
आवाज़ का पीछा करते हैं.

अब खतरे से निबटने के लिए चालीस हाथी मौजूद हैं.
हाथियों का पूरा झुण्ड अब एक साथ इकट्ठा हो गया है.

हाथी जल्दी से एक गोला बनाते हैं.
वे अपने बच्चों को गोले के बीच में रखते हैं.
अब वहां लकड़बग्घे आ नहीं सकेंगे.
बीच में बच्चे सुरक्षित रहेंगे.

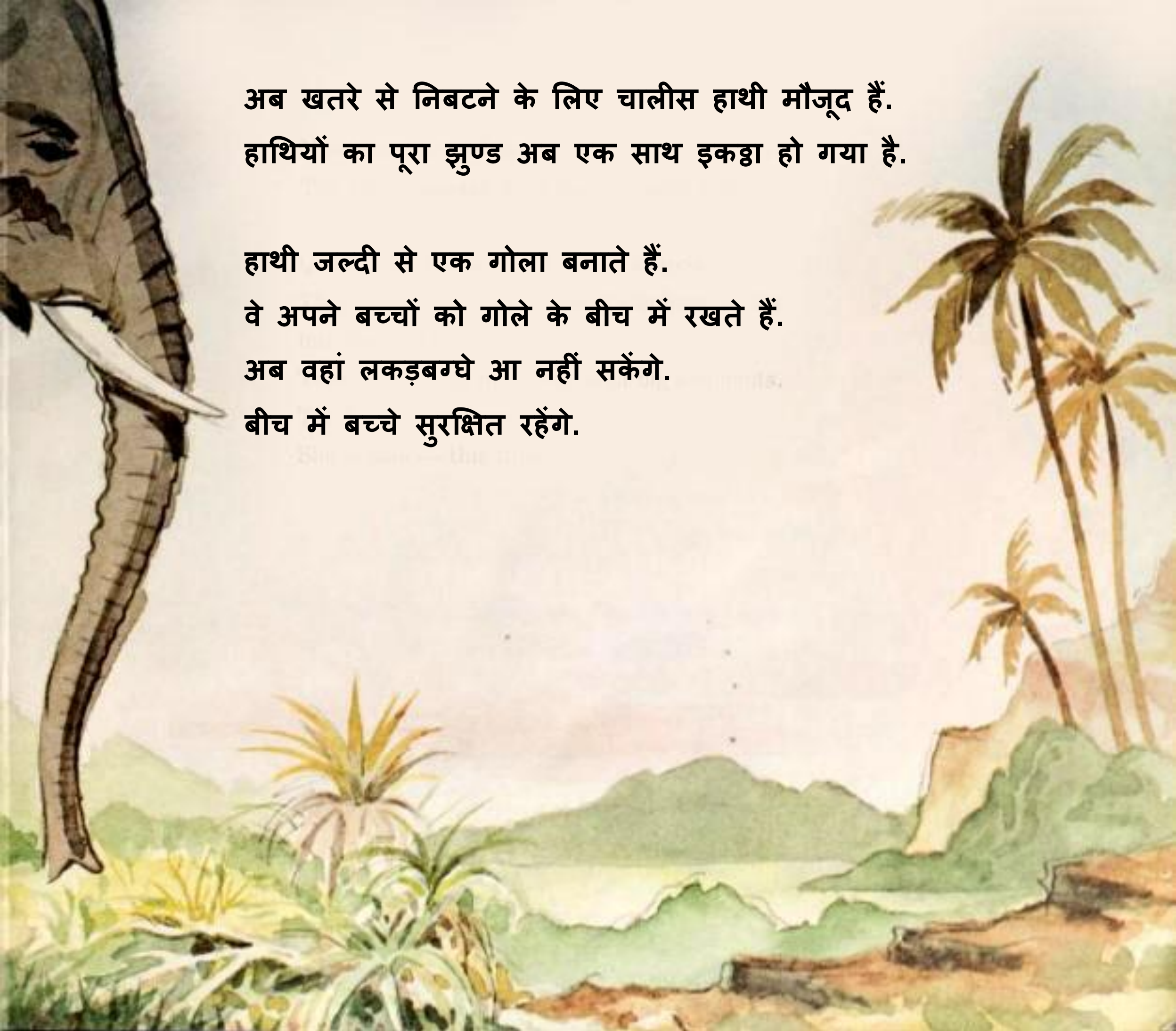

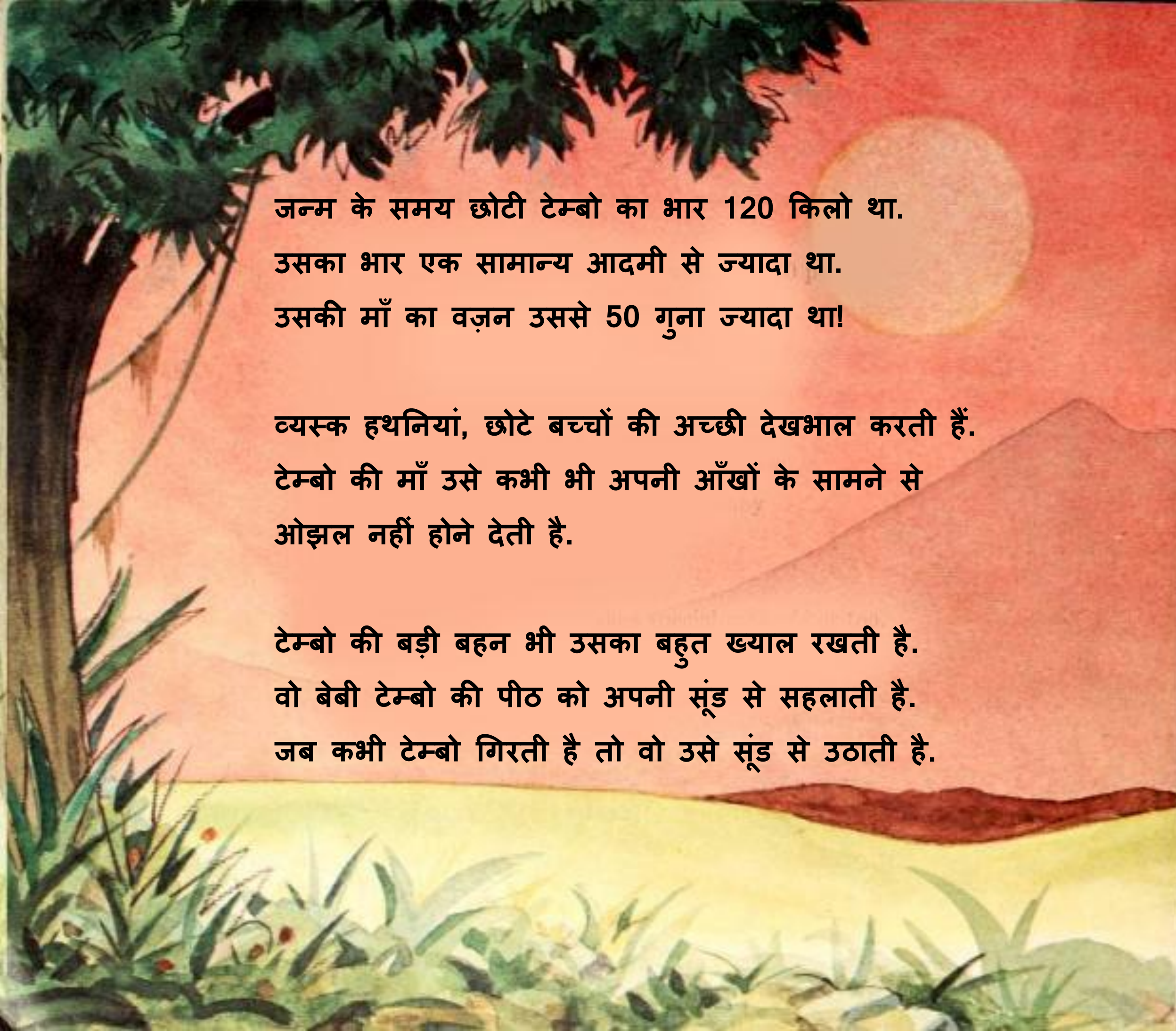

जन्म के समय छोटी टेम्बो का भार 120 किलो था.
उसका भार एक सामान्य आदमी से ज्यादा था.
उसकी माँ का वज़न उससे 50 गुना ज्यादा था!

व्यस्क हथनियां, छोटे बच्चों की अच्छी देखभाल करती हैं.
टेम्बो की माँ उसे कभी भी अपनी आँखों के सामने से
ओझल नहीं होने देती है.

टेम्बो की बड़ी बहन भी उसका बहुत ख्याल रखती है.
वो बेबी टेम्बो की पीठ को अपनी सूंड से सहलाती है.
जब कभी टेम्बो गिरती है तो वो उसे सूंड से उठाती है.

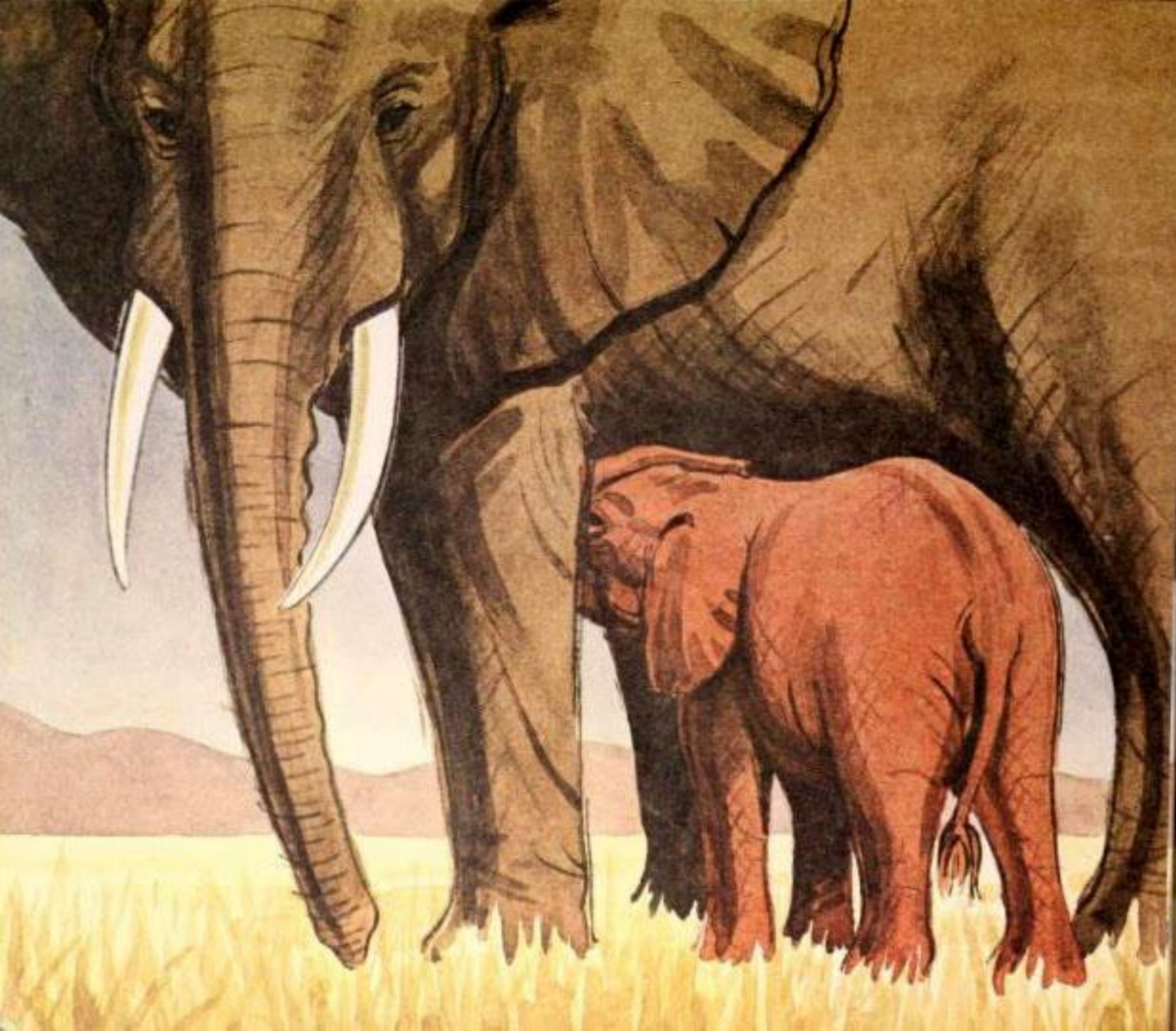

टेम्बो को हमेशा भूख लगती है.

वो दिन में कई बार अपनी माँ का दूध पीती है.

कभी-कभी टेम्बो हाथियों के लीडर का भी दूध पीती है.

टेम्बो की नौ साल की बहन भी, उसे दूध पिलाती है.

बहुत से हाथी ग्यारह साल की उम्र तक दूध पीते रहते हैं.

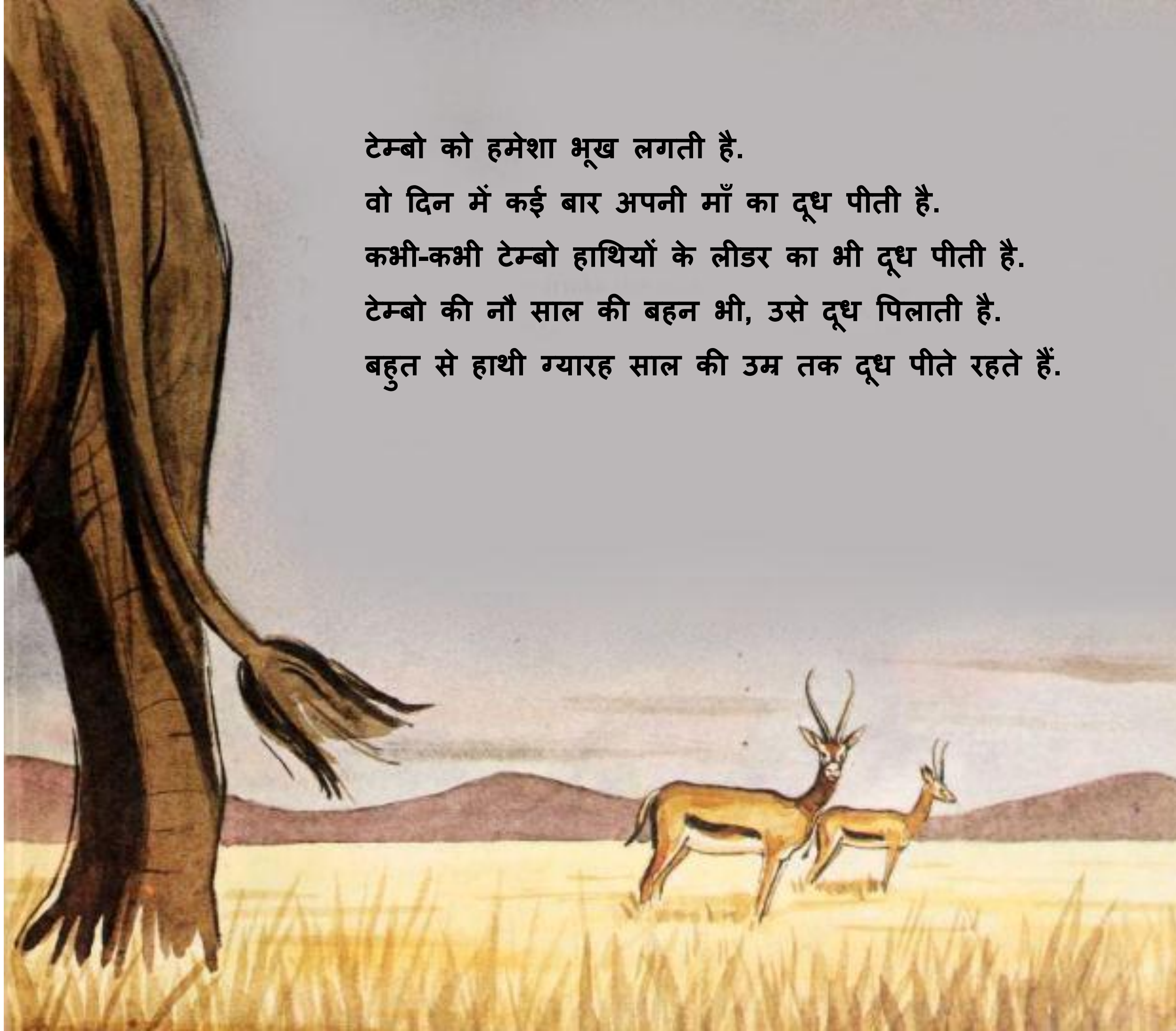

टेम्बो अफ्रीका के केन्या देश में रहती है.
वो अपने पूरे परिवार के साथ भोजन
और पानी की तलाश में घूमती है.
वो दलदल और जंगलों में से गुज़रते हैं,
और नदियों और तालाबों में पानी पीते हैं.
टेम्बो के बड़े झुण्ड में तीन हाथियों के परिवार हैं.
वे हमेशा झुण्ड के पीछे रहते हैं.
जल्द की टेम्बो की अपनी नानी, दादी, चाची, बहनों
और छोटे भाइयों से मुलाक़ात होगी.

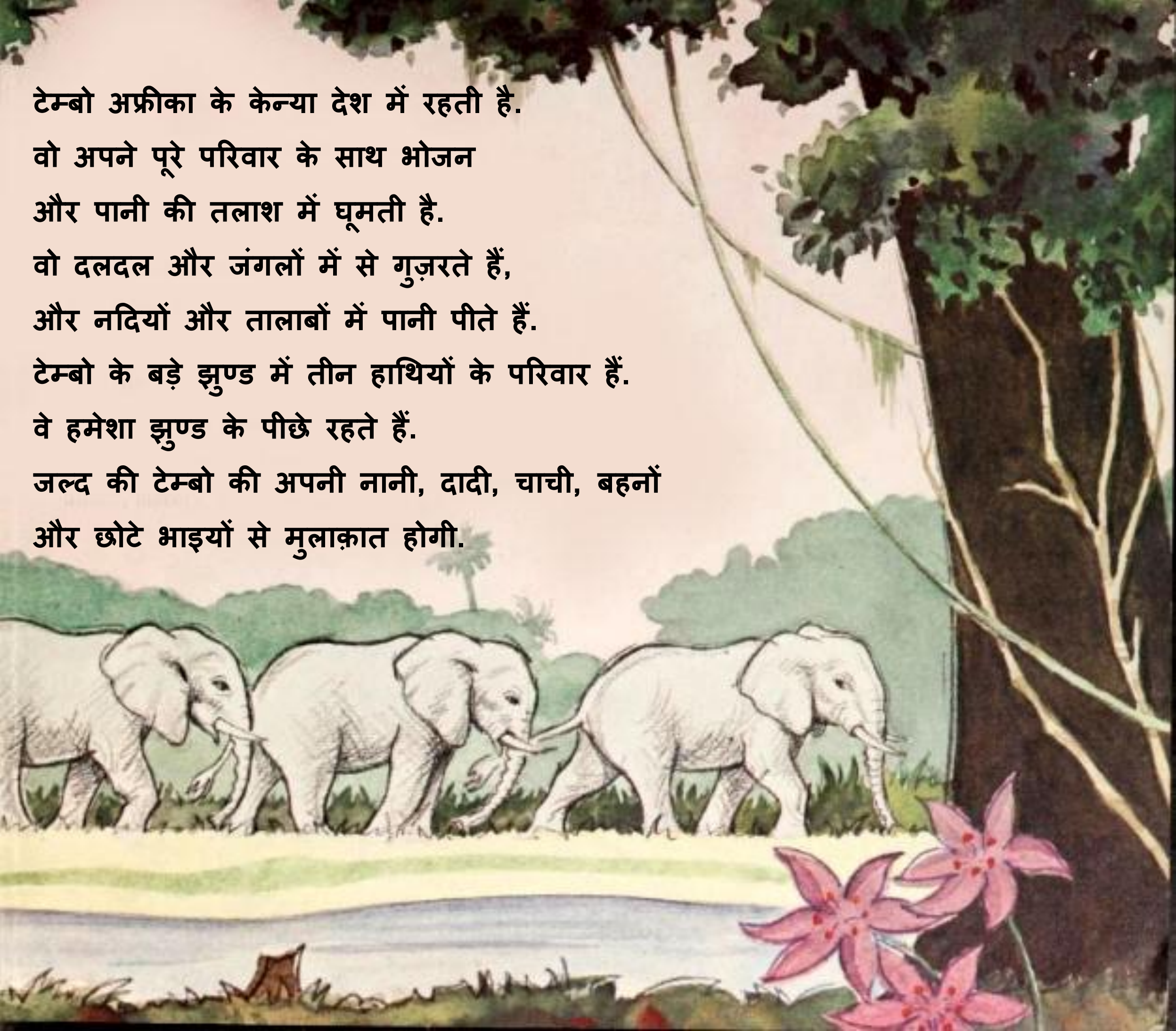

टेम्बो के पिता कौन हैं? यह उसे कभी पता नहीं चलेगा.
व्यस्क नर हाथी, कभी झुण्ड के साथ नहीं रहते.

जब नर हाथी 12 साल के होते हैं
तो हथनियाँ उन्हें धक्का देकर झुण्ड से बाहर कर देती हैं.
नर हाथी कुछ साल अपने परिवार के आसपास
ही रहने की कोशिश करता है.
या वो किसी अन्य अकेले नर हाथी के साथ कुछ समय रहता है.
या वो किसी अन्य हाथियों के झुण्ड के साथ रहकर किसी मादा के साथ संभोग करता है.

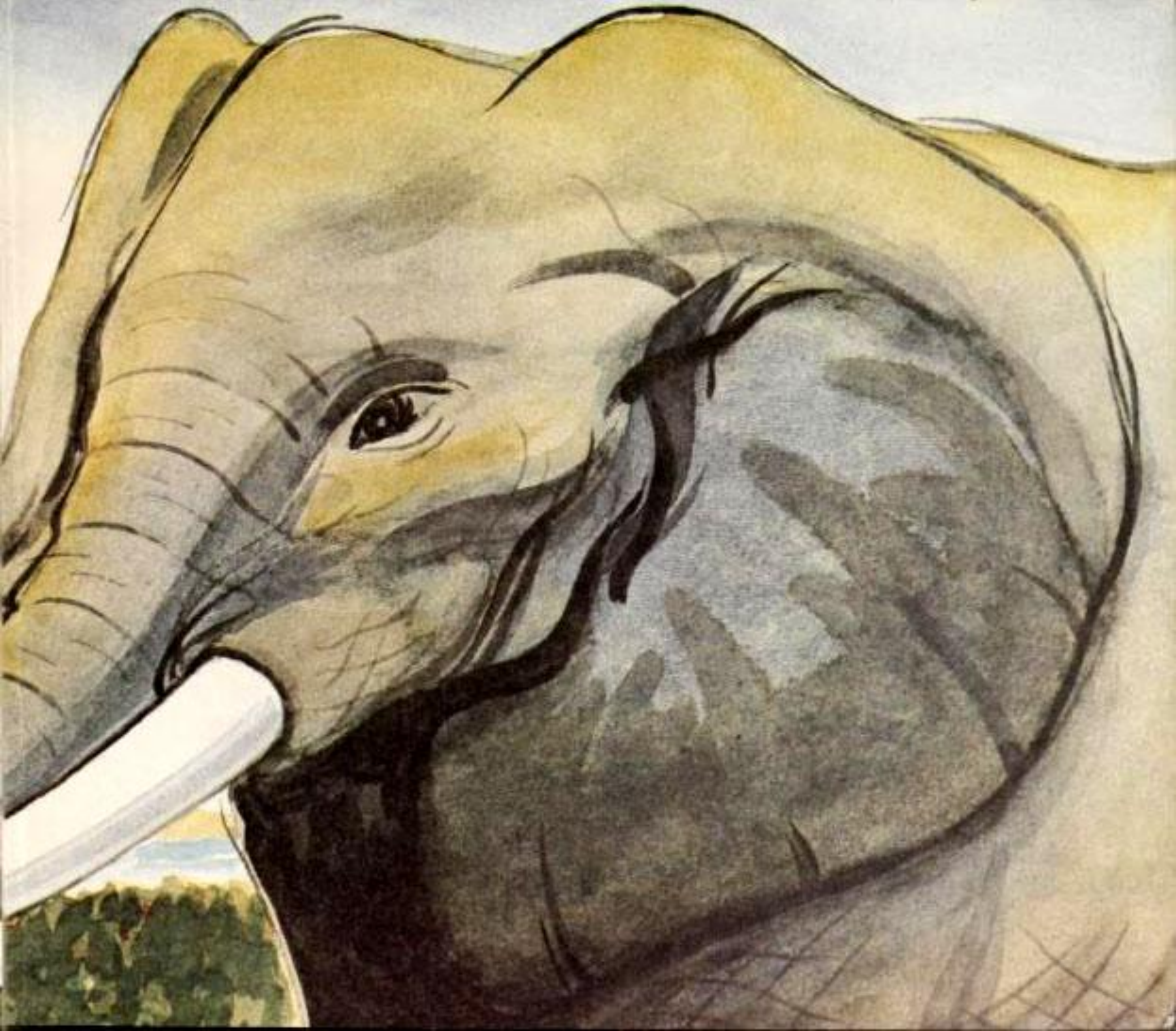

अब टेम्बो छह महीने की हो गई है.

उसकी बच्चों वाली शक्ल, अब बदल गई है.

उसके शरीर से लाल बाल गायब हो गए हैं, और वो मोटी हो गई है.

टेम्बो को पानी में बहुत मज़ा आता है.

वो घंटों पानी में छपाके मारती है और दूसरे हाथियों पर पानी फेंकती है.

कभी-कभी वो मिट्टी से नहाती भी है.

मिट्टी, हाथियों के लिए अच्छी होती है.

मिट्टी सूखने के बाद हाथी के शरीर पर एक परत बनाती है.

तब परेशान करने वाले कीड़े-मकौड़े हाथी को काट नहीं सकते हैं.

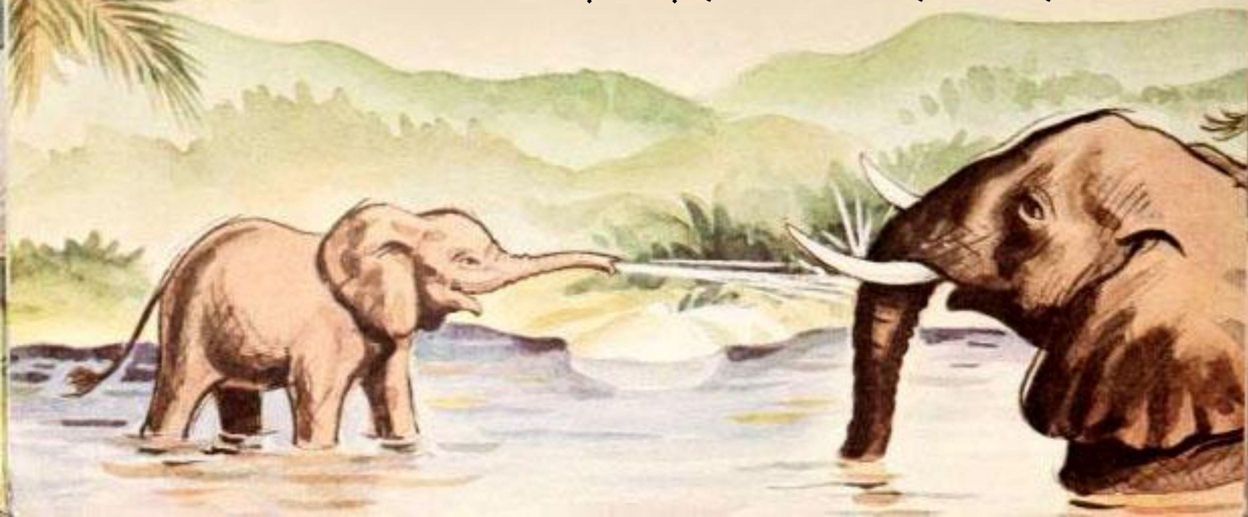

सभी हाथी अच्छे तैराक होते हैं.

वे एक-साथ छह घंटे से ज्यादा तैर सकते हैं.

वे अपनी सूंड से सांस लेते हैं.

तैरते समय सिर्फ उनकी सूंड का सिरा ही पानी की सतह के बाहर रहता है.

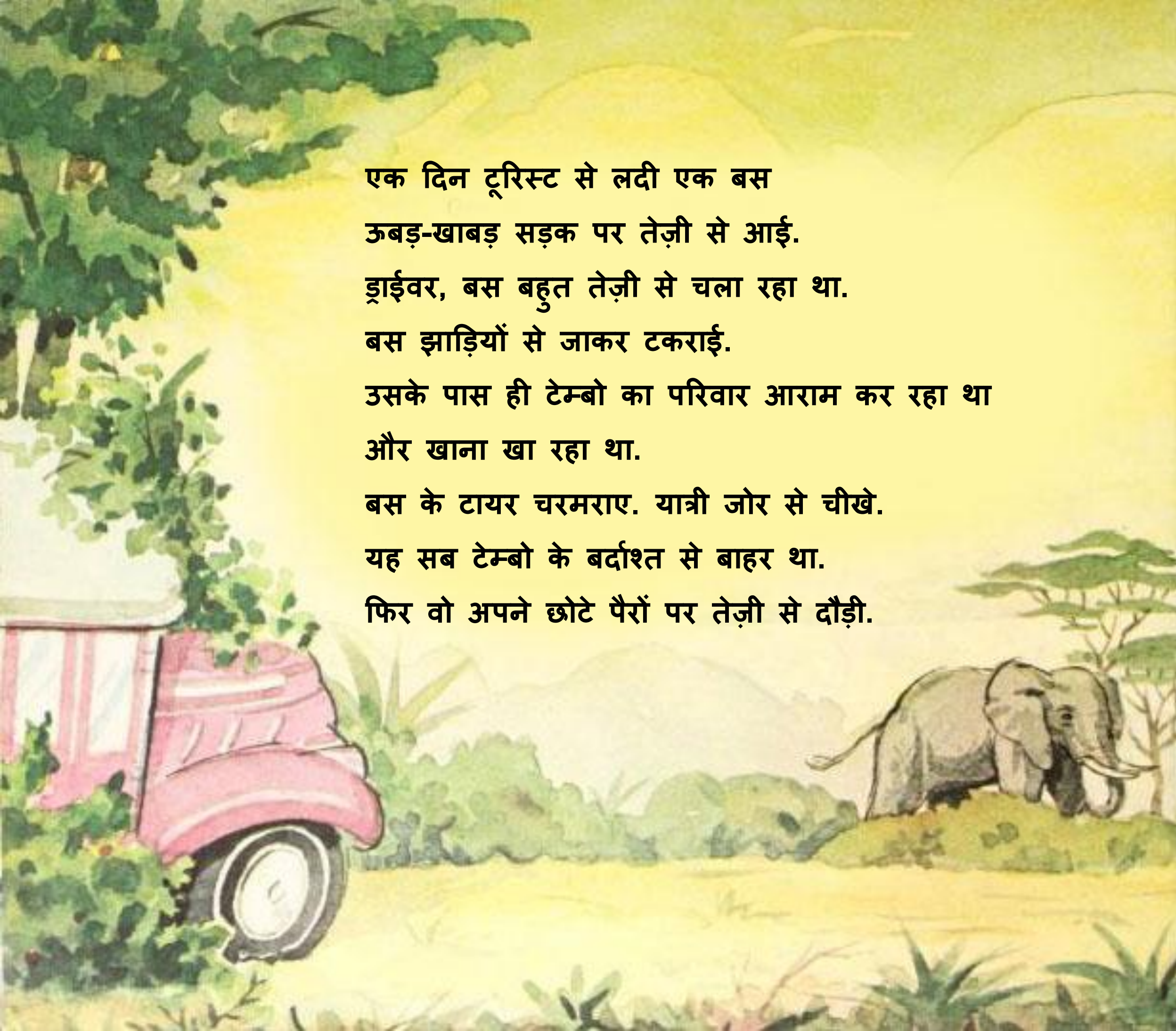

एक दिन टूरिस्ट से लदी एक बस
ऊबड़-खाबड़ सड़क पर तेज़ी से आई.
ड्राईवर, बस बहुत तेज़ी से चला रहा था.
बस झाड़ियों से जाकर टकराई.
उसके पास ही टेम्बो का परिवार आराम कर रहा था
और खाना खा रहा था.
बस के टायर चरमराए. यात्री जोर से चीखे.
यह सब टेम्बो के बर्दाश्त से बाहर था.
फिर वो अपने छोटे पैरों पर तेज़ी से दौड़ी.

टेम्बो की बड़ी बहन उससे ज्यादा तेज़ दौड़ी.
वो टेम्बो के आगे निकली
और उसने टेम्बो को रोकने की कोशिश की.
उसने टेम्बो को अपनी सूंड से छुआ जैसे कह रही हो,
“ठीक है! फ़िक्र मत करो. तुम सुरक्षित हो.”
फिर बहन ने अपनी सूंड से टेम्बो के मुंह को छुआ.
फिर वो अपनी छोटी डरी बहन को, माँ के पास वापिस लाई.

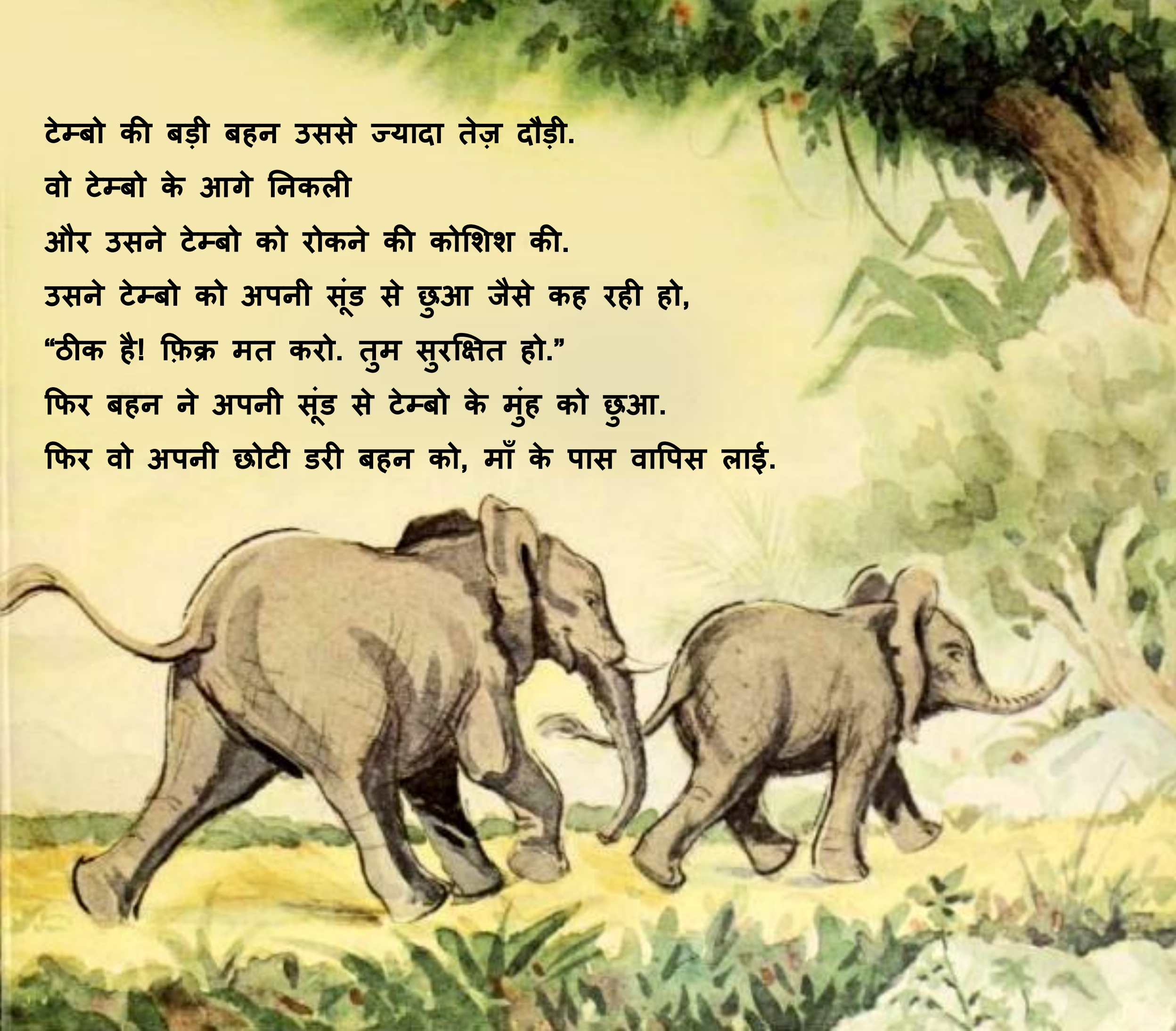

छह महीने की टेम्बो को अब खेलने में बहुत मज़ा आता है.
वो अपने से बड़े हाथियों को धक्का देती है.
जब वो लेटे होते हैं तो वो उनके ऊपर चढ़ती है.
हाथी दिन में कई बार आराम करते हैं – खासकर जब तेज़ गर्मी हो.
वे खर्राटे भी लेते हैं. कभी-कभी हाथी खड़े-खड़े ही आराम करते हैं.
उसके लिए वो किसी सायेदार पेड़ के नीचे खड़े होते हैं.

कभी-कभी वो इस तरह पांच घंटे खड़े रहते हैं.
तब सिर्फ उनके बड़े-बड़े कान हिलते हैं. कान धीरे-धीरे पंखे जैसे फड़फड़ाते हैं और हाथी के शरीर को ठंडा रखते हैं.

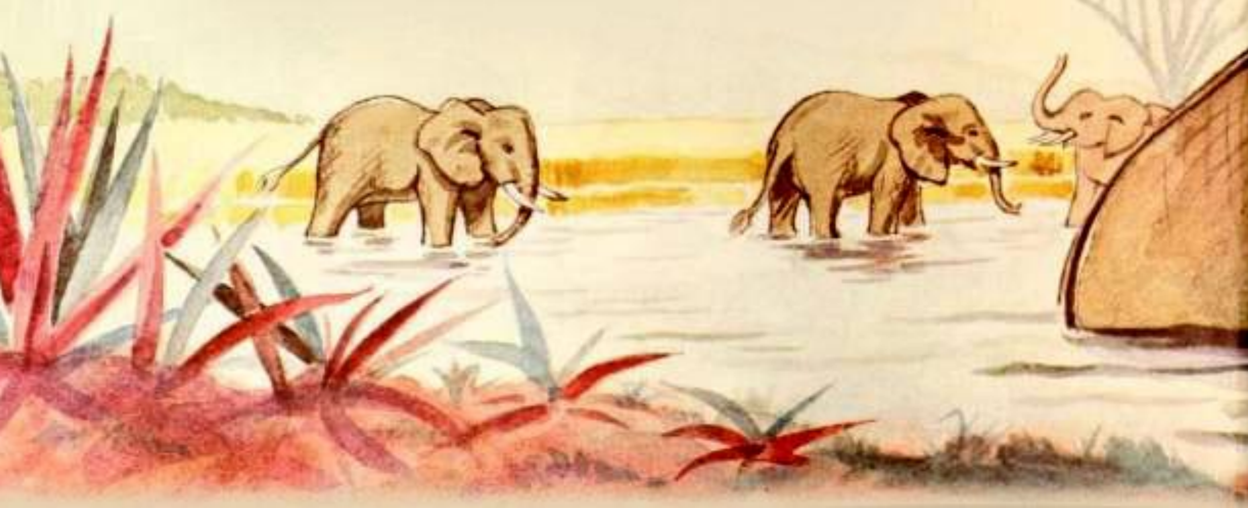

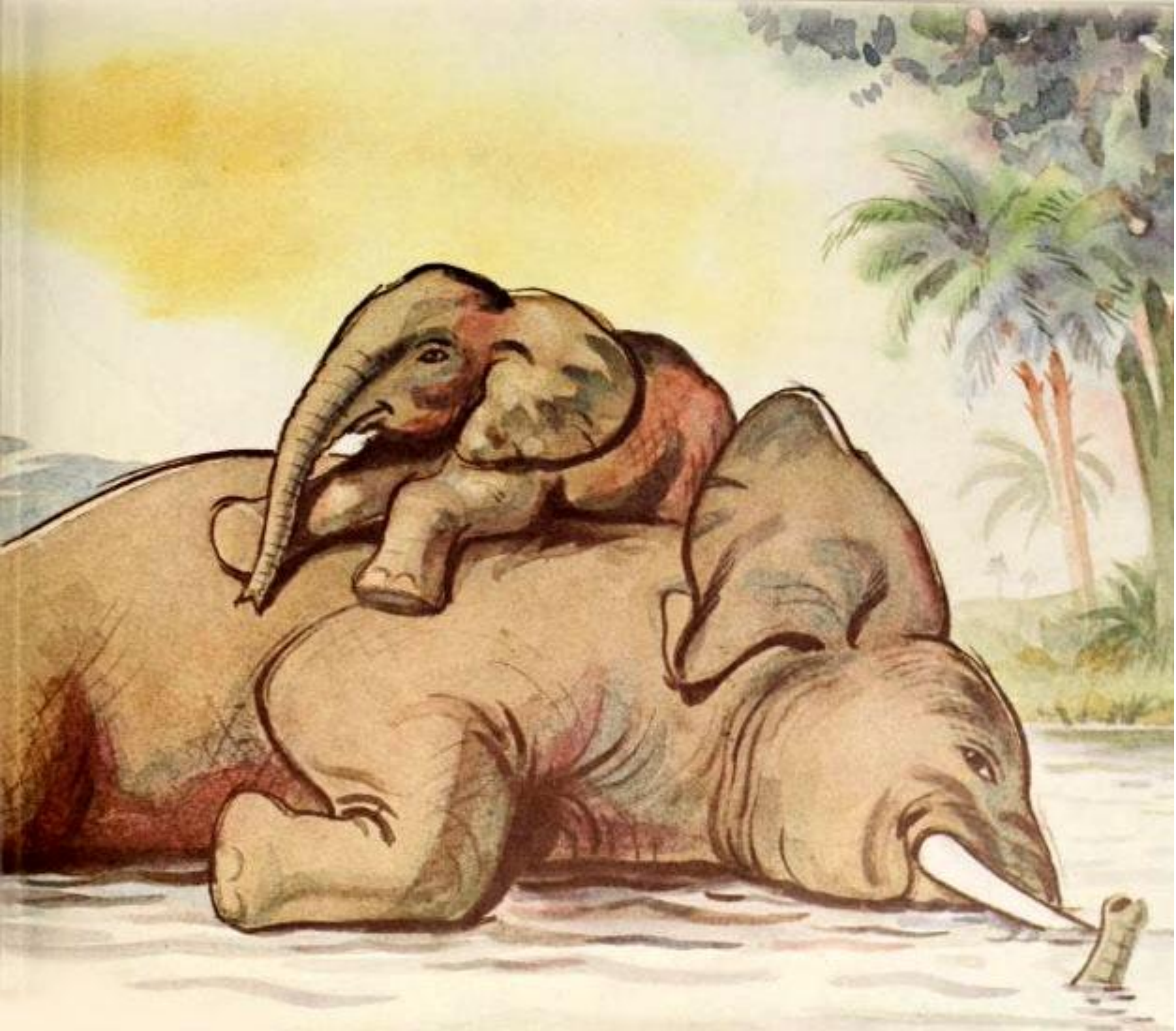

टेम्बो हर हफ्ते कुछ नया सीखती है.
वो बैठना सीखती है और अपने पेट के बल लेटकर लुढ़कना सीखती है.
वो अपने सर से दूसरों को मारना सीखती है.
यह एक तरह का आक्रमण होता है.

आक्रमण के समय, वो बड़े हाथियों की आवाज़ की नक़ल करती है.
वो एक गहरी, तुरही जैसी आवाज़ निकलने की कोशिश करती है.
पर क्योंकि टेम्बो अभी भी बहुत छोटी है
इसलिए उसकी आवाज़ भारी नहीं, किकियानी होती है.

सूंड का इस्तेमाल सीखना, टेम्बो के लिए सबसे कठिन काम है.
उसे समझ में नहीं आता कि वो उस लम्बी अजीब चीज से भला क्या करे.
कभी-कभी वो अपनी ही सूंड से टकराकर, लड़खड़ाकर गिर जाती है.
कभी-कभी वो ज़मीन पर बैठकर अपनी सूंड को अपने मुंह में डालती है.

वो सूंड से अनेकों काम करेगी.
वो सूंड से रेत को खोदकर ज़मीन में पानी खोजेगी.
वो सूंड की मदद से घास तोड़ेगी.
वो सूंड से मिट्टी और पानी को अपनी पीठ पर फेंकेगी.
वो अपनी सूंड से अन्य हाथियों का अभिवादन करेगी.
वो सूंड से डंडी उठाकर अपने पैर को खुजलाएगी.
पर वो अपनी सूंड का अधिकतर इस्तेमाल - सूंघने, छूने, चखने, सांस लेने, पानी पीने और खाने के लिए ही करेगी.

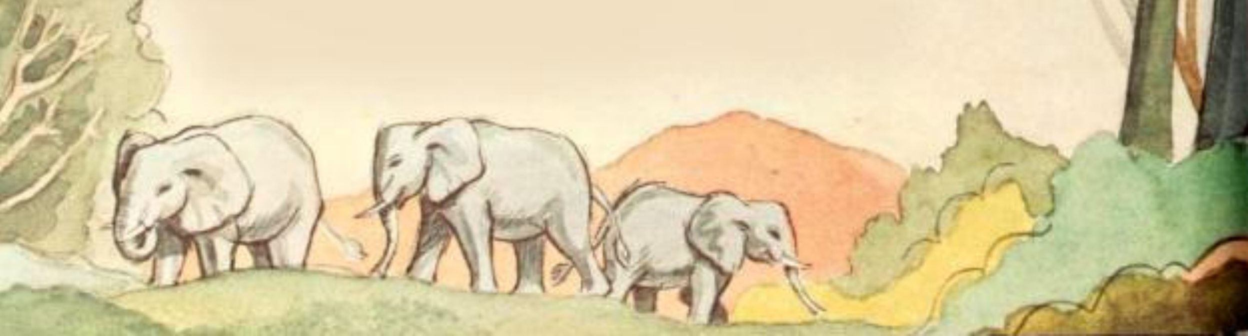

टेम्बो और उसका परिवार हमेशा भोजन की तलाश में घूमता है.

वो सूरज उगने से पहले ही उठ जाते हैं.

एक व्यस्क हाथी को दिन में 150-किलो भोजन चाहिए होता है.

एक हाथी को इतना खाने में 16 घंटे का समय लगता है.

कोई बड़ा हाथी, जिराफ़ जितनी ऊंचाई से पत्तियां तोड़कर खा सकता है.

अगर कोई पेड़ बहुत ऊंचा हो, तो हाथी उससे टकराकर उसे तोड़ सकता है.
तब पेड़ पर बैठे बन्दर जान बचाने के लिए तेज़ी से पेड़ से नीचे उतरते हैं.
पेड़ पर बैठे लंगूर चीखते-चिल्लाते हैं.
हिरण और जेब्रा अपने सुरक्षा के लिए इधर-उधर दौड़ते हैं.

हर साल अफ्रीका में बारिश का मौसम आता है और फिर गर्मी का.
बारिश के दिनों में अक्सर जानवरों को काफी कुछ खाने को मिलता है.
पर गर्मी के मौसम में घास और पौधे सूखकर भूरे पड़ जाते हैं.
पानी के सारे स्रोत – ताल, तलैये भी सूख जाते हैं.
फिर ज़मीन के नीचे बहुत कम पानी ही बचता है.

हाथी की माँ रेत को खोदकर ज़मीन में एक छेद बना रही है.
टेम्बो को भी बहुत प्यास लगी है.
वो अपने माँ को एक तरफ ढकेलती है.
पर माँ भी, टेम्बो को ढकेलकर बाहर करती है.
बड़े हाथियों के पीने के बाद ही टेम्बो को पानी पीने को मिलेगा.
अगर वो खुशनसीब होगी तो अंत में उसके लिए भी कुछ पानी बचा रहेगा.

जब टेम्बो दो साल की होगी तो
उसके हाथी-दांत बढ़ना शुरू होंगे.
हाथी के दांत जीवन भर बढ़ते रहते हैं.
टेम्बो अपने नए दांतों से एक पेड़ की खुरदुरी छाल को रगड़ती है.
फिर वो अपने दांतों से एक हाथी के बच्चे को कोचती है.
हाथी का बच्चा टेम्बो को वापिस कोचता है.
हाथी के दांत को चुभोने से दर्द होता है!
हाथी के दांत काफी खतरनाक हथियार होते हैं.

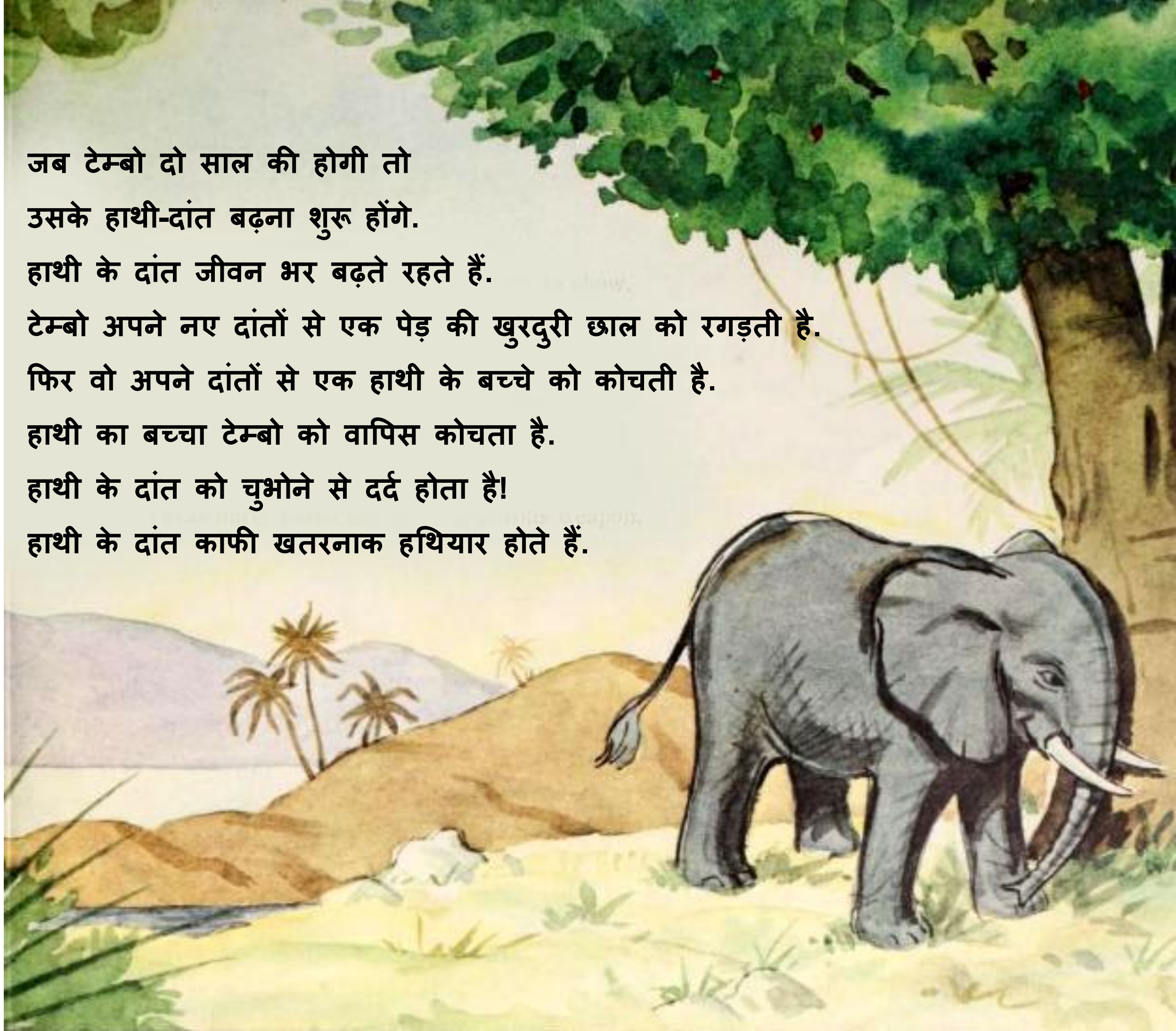

एक दिन टेम्बो एक नर बालक हाथी के साथ खेल रही थी.

पर जल्द ही खेल, धक्का देने में बदल जाता है.

नर बालक हाथी, टेम्बो से काफी बड़ा था.

उसने सिर्फ उतना ही बल लगाया जितना जीतने के लिए ज़रूरी था.

उसने टेम्बो को कोई चोट नहीं पहुंचाई.

उसने अपनी शक्ति को नियंत्रित करना सीखा था.

टेम्बो के लिए भी वो सीखना ज़रूरी था.

ऐसी प्रतियोगिताओं में हाथी अपनी शक्ति का प्रदर्शन करते हैं.

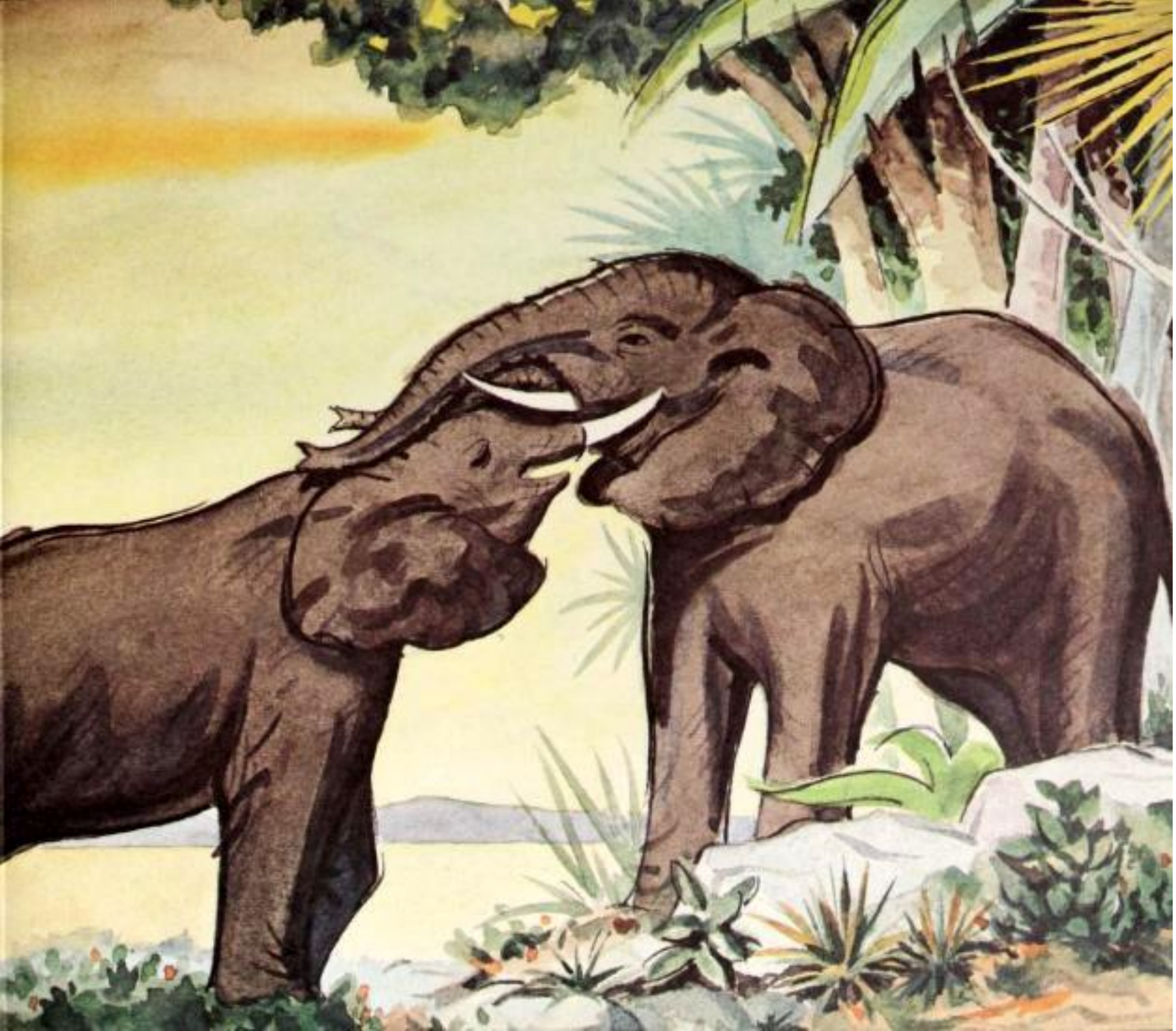

कभी-कभी टेम्बो की अन्य हाथियों से, पानी पीने के स्थान पर लड़ाई होती है.

तब टेम्बो अपनी सूंड हवा में हिलाती है और अपने कान फैलाती है.

इसको “धमकी प्रदर्शन” कहते हैं.

धमकी प्रदर्शन करने से अक्सर असली लड़ाई टल जाती है.

हाथी, अन्य हाथियों से बहुत कम ही लड़ते हैं.

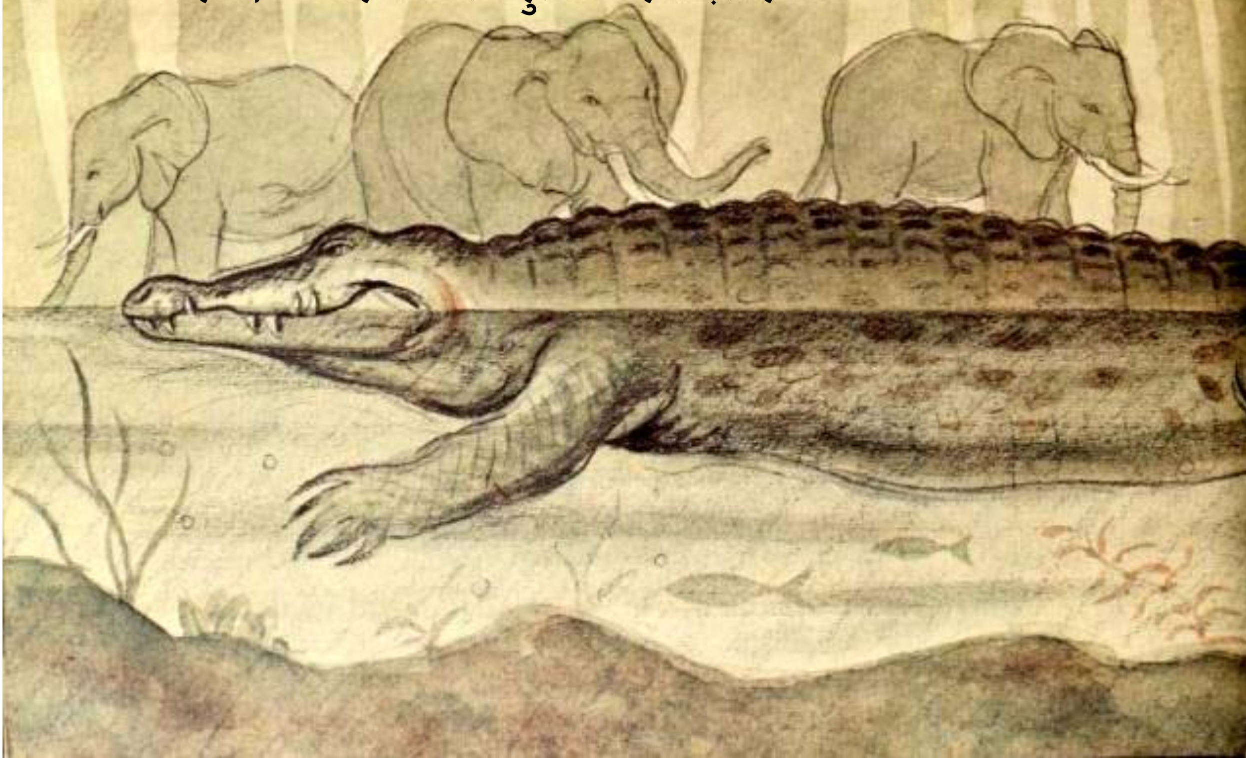

ज़मीन पर बहुत कम जानवर ही विशालकाय हाथियों पर आक्रमण करने की जुर्रत करते हैं.

परन्तु हाथी पानी में असुरक्षित होते हैं.

एक बार नदी में माँ हथिनी की, एक मगरमच्छ से लड़ाई हुई.

जब हथिनी पानी से बाहर आई तो उसकी सूंड पर घाव थे और एक कान फटा हुआ था.

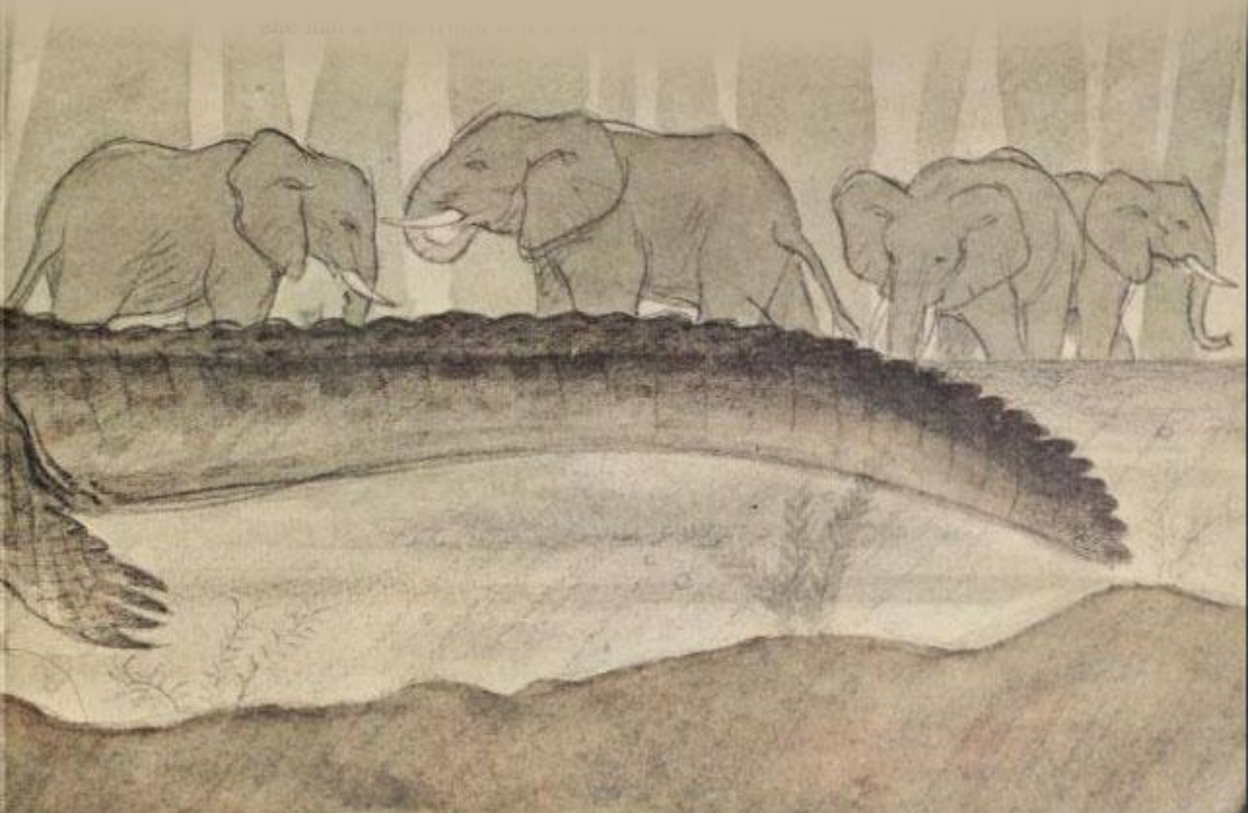

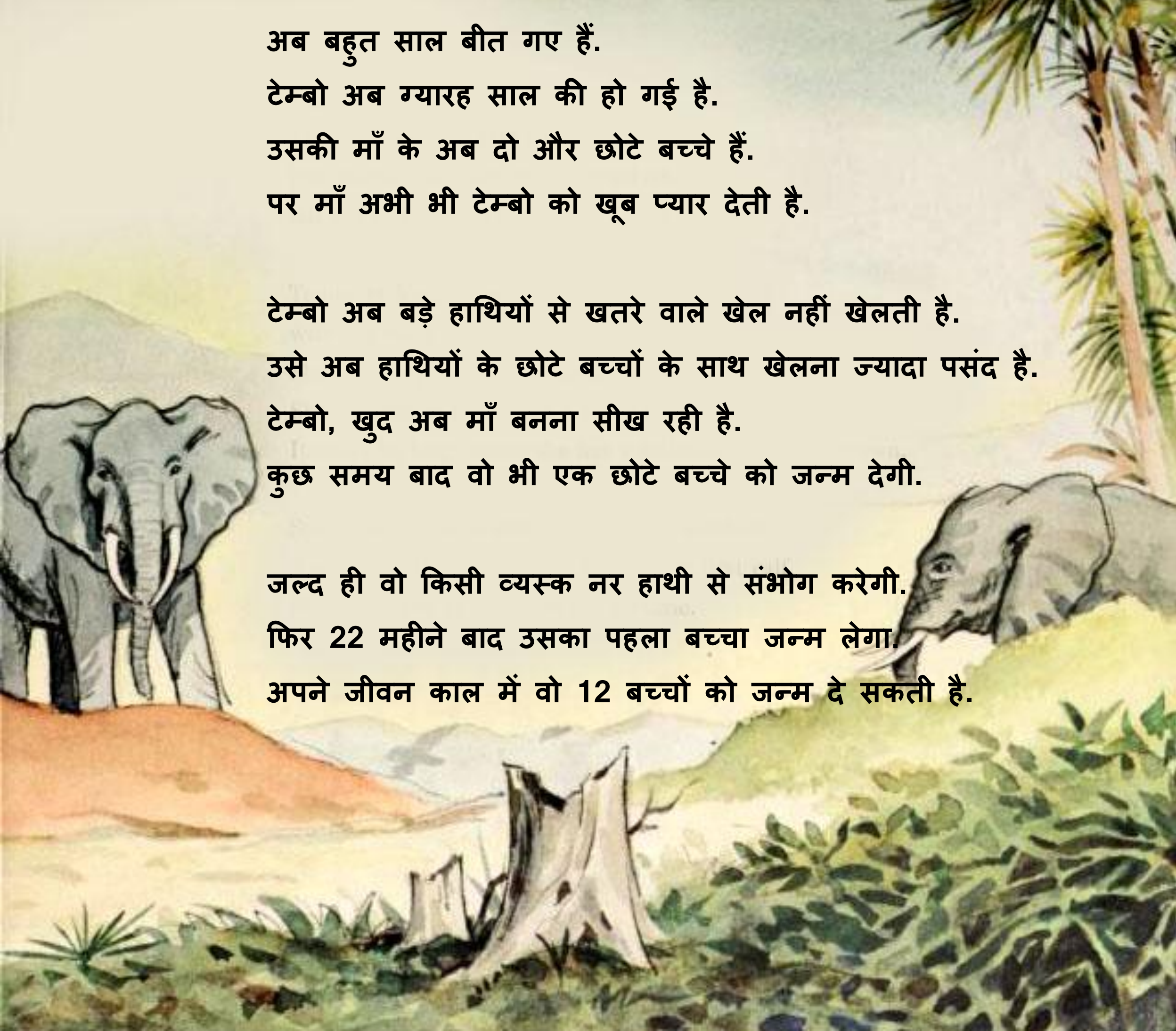

अब बहुत साल बीत गए हैं.
टेम्बो अब ग्यारह साल की हो गई है.
उसकी माँ के अब दो और छोटे बच्चे हैं.
पर माँ अभी भी टेम्बो को खूब प्यार देती है.

टेम्बो अब बड़े हाथियों से खतरे वाले खेल नहीं खेलती है.
उसे अब हाथियों के छोटे बच्चों के साथ खेलना ज्यादा पसंद है.
टेम्बो, खुद अब माँ बनना सीख रही है.
कुछ समय बाद वो भी एक छोटे बच्चे को जन्म देगी.

जल्द ही वो किसी व्यस्क नर हाथी से संभोग करेगी.
फिर 22 महीने बाद उसका पहला बच्चा जन्म लेगा.
अपने जीवन काल में वो 12 बच्चों को जन्म दे सकती है.

टेम्बो 30 वर्ष की उम्र में अपना पूरा आकार प्राप्त करेगी.

हाथी करीब 65 साल तक जिंदा रहते हैं.

शायद टेम्बो बड़ी होकर अपने झुण्ड की लीडर बने.

पर टेम्बो और उसके बच्चे हमेशा उस परिवार के करीब रहेंगे

जिसने उनकी बड़े होने में मदद की थी.

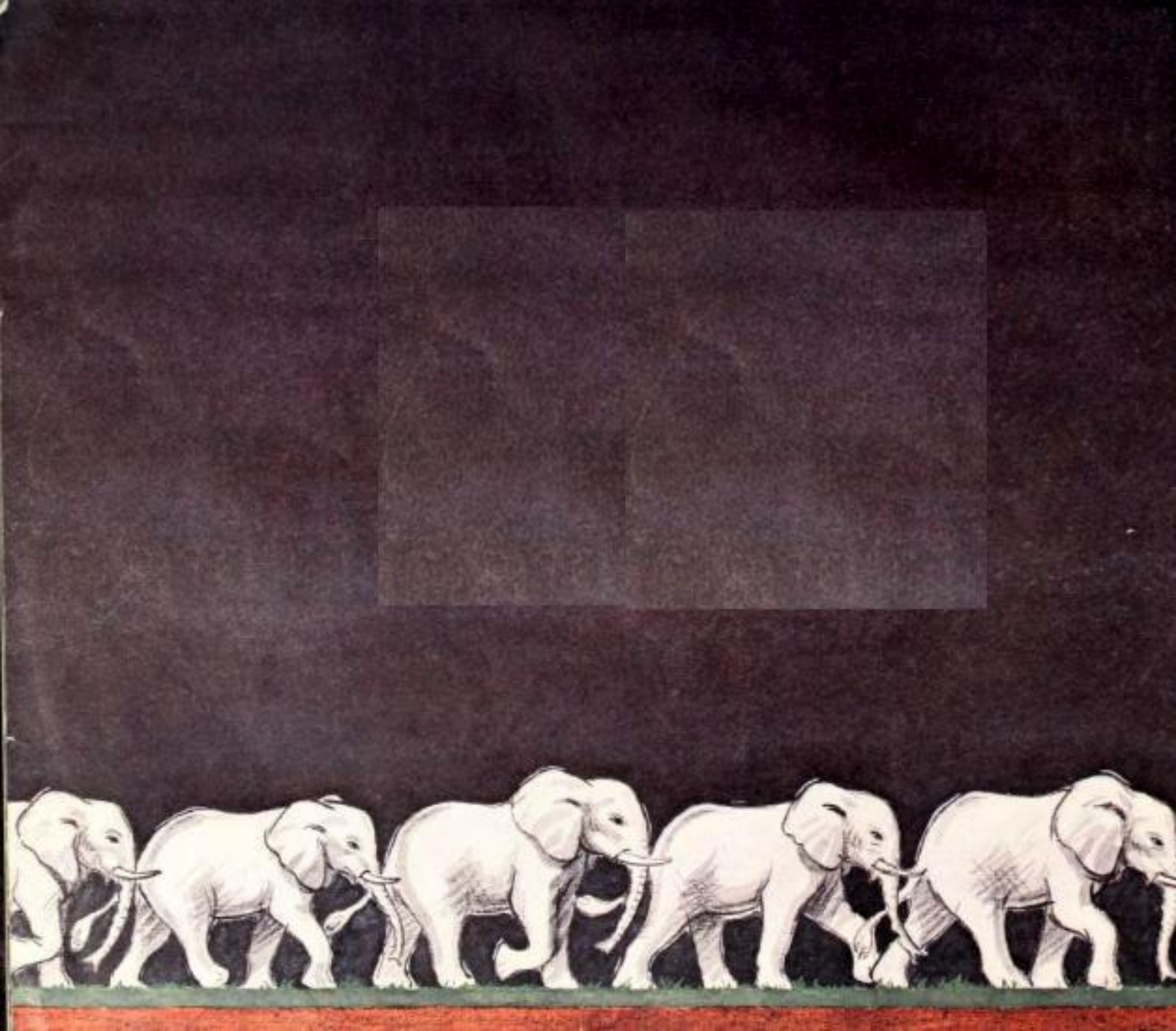

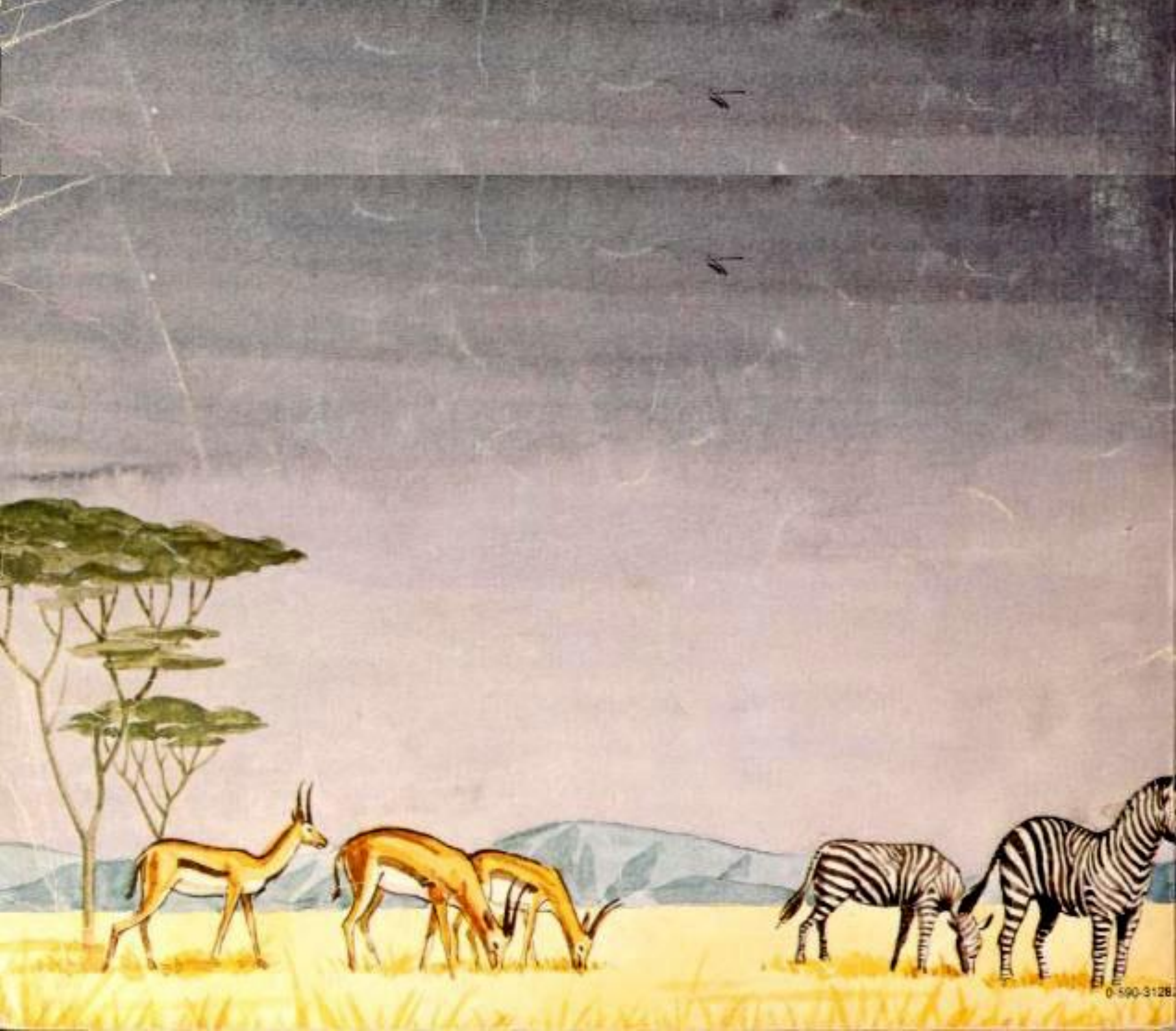

0-590-3128